"This House views with anguish and deep concern the occurrence of violent demonstrations and incidents in Bangalore and other places on the issue of the Cauvery Water Dispute, leading to loss of innocent lives and property. This House appeals to all concerned to stop wanton destruction of life and property and dislocation of the normal life of the people, to desist from any action which may create ill-will or disaffection among the people of different communities. India is one and every citizen has a right to protection of his life and property and to follow a peaceful avocation. Nothing should be done which would come in the way of such pursuit. This House, therefore, appeals to all concerned to exercise restraint and follow peaceful methods to resolve the dispute and ensure that normalacy and cordial relationship between different sections of the community are resrored."

I hope all will agree.

SHRI K. G. MAHESWARAPPA: Madam, on behalf of our party, I fully support it... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nothing more about it and no comments, please.. (*Interruptions*)...

SHRI M. VINCENT: What about compensation, Madam?...(*Interruptions*)...

SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh): There is no voice of dissent.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I hope all agree to this.

HON. MEMBERS: Yes.

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right. Now, Mr. Gurudas Das Gupta wanted to mention something and he wanted just one second only. He wanted to mention something very important. I would like him now to mention it in which, I hope, the House also will join. Yes, Mr. Gurudas Das Gupta.

FELICITATIONS TO MR. SATYAJIT RAY ON HIS BEING SELECTED FOR THE PRESTIGIOUS 'OSCAR AWARD'

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam Deputy Chairman, as we all know, the Oscar Award is the highest award given for creative activity in the film world.

Madam, not a single Indian has been given this award so far. It is for the first time that an Indian has been given this award and Mr. Satyajit Ray has been given this award. It is not a matter of pride for him only, but for us also, and we feel proud of Mr. Satyajit Ray and his creations.

Let the House unanimously send its greetings to Mr. Ray, wishing him the best in his work and expressing our pride and happiness at this great moment.

I would request you, Madam, to kindly take the opinion of the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think the whole House joins him in this.

The whole House welcomes this and congratulates Mr. Satyajit Ray.

We will convey the sentiments of the House to him and we wish him more and more successes and more awards.

SPECIAL MENTIONS– *Contd.*

Apprehensions of communal violence as a result of a forged letter issued by the B.J.P. Office in Delhi

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मौम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, आज सुबह से हाऊस में इराक से लेकर कावेरी के पानी तक जो वाइलेंस हो रहा है, उसको कंडेम किया गया है । मैडम, मैं एक नये वायलेंस और एक नयी साजिश की तरफ हाउस की तवज्जह दिलाना चाहता हूं । मैडम, मैं एक मिनट आपकी तवज्जह चाहता हूं । यह बहुत ही इम्पार्टेंट, बहुत ही गंभीर मसला है ।

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میڈم آج صبح سے ہاؤس میں عراق سے لیکر کاویری کے پانی تک جو وائیلنس ہو رہا ہے اس کو کنڈم کیا گیا ہے۔ میڈم میں ایک نئے وائلنس اور ایک نئی سازش کی طرف ہاؤس کی توجہ دلانا چاہتا ہوں۔ میڈم میں ایک منٹ آپکی توجہ چاہتا ہوں۔ یہ بہت ہی امپارٹنٹ۔ بہت ہی گمبھیر مسئلہ ہے۔

†[] Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Order, order, in the House, please.. *(Interruptions)*...

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : इसकी वजह से बड़े पैमाने पर मुल्क के अंदर दंगे और फसादात शुरू किये जा सकते हैं । मैडम, यह एक लेटर आल इंडिया बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के नाम से फर्जी खत है, इस पर दस्तखत जफरियाब जीलानी, कन्विनर बाबरी के मस्जिद ऐक्शन कमेटी के नाम से, जो कि एक झूठा खत है, इसको भारतीय जनता पार्टी के सदर दफ्तर, नयी दिल्ली से परसों उसके वाइस प्रेसीडेंट जो हमारे हाऊस के एक बहुत ही सीनियर, बहुत ही बुजुर्ग मेंबर है, के० एल० शर्मा जी, उन्होंने इश्यू किया है ।... (**व्यवधान**)

†شری محمد افضل عرف م۔افضل: اسکی وجہ سے بڑے پیمانہ پر ملک کے اندر دنگے اور فسادات شروع کئے جا سکتے ہیں۔ میڈم یہ ایک لیٹر آل انڈیا بابری مسجد ایکشن کمیٹی کے نام سے۔ فرضی خط ہے۔ اس پر دستخط ظفریاب جیلانی۔ کنوینر بابری مسجد ایکشن کمیٹی کے نام سے۔ جو کہ ایک جھوٹا خط ہے اسکو بھارتیہ جنتا پارٹی کے صدر دفتر نئی دلی سے پرسوں اس کے وائس پریسیڈنٹ جو ہمارے ہاؤس کے ایک بہت ہی سینئر بہت ہی بزرگ ممبر ہیں کے ایل شرما انہوں نے ایشو کیا ہے ... مداخلت ...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं ... (**व्यवधान**)... इसकी अथेंटिसिटी क्या है, इसको पहले पता कर लें ।... (**व्यवधान**)

†[] Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Just a minute. Let me find out. Perhaps he does not know.

ऐसा है किसी मिनिस्टर के खिलाफ या किसी मेंबर के खिलाफ, जो इस हाउस का मेंबर है, अगर उसके खिलाफ कोई एलीगेशन लगाना हो तो उसका रिटिन नोटिस दे दीजिए ताकि वह यहां मौजूद रह और अपने बारे में सफाई पेश कर सकें कि आया उन्होंने यह काम किया है या नहीं किया है । तो आपने जो कहा है, के० एल० शर्मा जी यहां मौजूद नहीं हैं और... (**व्यवधान**)... चेयरमैन साहब से परमिशन है, स्पेशल मेंशन की परमिशन मिली हुई है ।... (**व्यवधान**)...

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : क्या शर्मा जी से पता किया था ?... (**व्यवधान**)...

श्री कमल मोरारका (राजस्थान) : के० एल० शर्मा जी का नाम तो नहीं था उसमें ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : You know, Mr. Morarka, that when the Special Mentions are made in this House, Members do not give their text and this is what happens. The text of the Special Mention made by Dr. Raja Ramanna was different and the Members spoke on everything under the sun ! I only have to use my discretion, to allow or not to allow. That is why I am telling Mr. Afzal that he should exercise restraint. Let him send a notice to Mr. K.L. Sharma, because he is a Member of this House. Tomorrow we will permit you and we will ask him to give his clarification. That is the proper procedure. He will be present to answer. *(Interruptions)*.

श्री सिकन्दर बख्त (मध्य प्रदेश) : इस खत में कृष्ण लाल शर्मा साहब का नाम नहीं है लेकिन वह उनका नाम ले रहे हैं (**व्यवधान**) उन्होंने लिया है, मुझे नहीं मालूम क्यों लिया है (**व्यवधान**) कृष्ण लाल शर्मा साहब ने इस खत को प्रेस के सामने रखा था । अगर यह बात सिर्फ इस खत तक कहना चाहते हैं जो इनके हाथ में है तो इस में कृष्ण लाल शर्मा साहब का नाम नहीं है । इन्होंने उनका नाम क्यों लिया है, यह मैं नहीं जानता... (**व्यवधान**)

شری محمد افضل عرف م۔ افضل : میں کرشن لال شرما جی پر کوئی چارج نہیں لگا رہا ہوں "مداخلت"... میں ان پر چارج نہیں لگا رہا ہوں۔ یہ بہت اہم مسئلہ ہے۔ شری کمل مورارکا کی بات پورے طور پر صحیح ہے اور آپ نے بھی توجہ دلائی ہے۔ میں اس کا پورا لحاظ کرتے ہوئے اس معاملے کی سینسیٹیونس اور اہمیت کو آپ کے سامنے اجاگر کرنا چاہتا ہوں میں یہ بات کہہ رہا تھا کہ یہ ۴۳ تاریخ "مداخلت"...

شری سکندر بخت : ایک منٹ۔ میں خالی یہ کہنا چاہتا ہوں کہ جس خط کو افضل صاحب پڑھ رہے ہیں اس خط کی اتھنٹی سٹی کو کنفرم کر لیا جائے اس کے بعد اس سلسلہ کو اٹھایا جائے۔

شری محمد افضل عرف م۔ افضل : میں وہی کہہ رہا ہوں۔ میں کنفرم بھی کر رہا ہوں .... مداخلت... اس کی حقیقت ہے... مداخلت... اس کی اجازت مجھے ملنی چاہیے ... مداخلت... †

उपसभापति : मिस्टर अफजल, मुझे एक मिनट समझने दीजिये। आप जरा बैठ जाइए, मैं जरा समझ लूं क्योंकि मुझे नहीं मालूम कि आप क्या मसला उठा रहे हैं। आप जिस खत के बारे में कह रहे हैं, उस खत में कृष्ण लाल शर्मा जी

شری سکندر بخت : اس خط میں کرشن لال شرما صاحب کا نام نہیں ہے لیکن وہ ان کا نام لے رہے ہیں "مداخلت" انہوں نے لیا ہے۔ مجھے نہیں معلوم کیوں لیا ہے۔ "مداخلت" کرشن لال شرما صاحب نے اس خط کو پریس کے سامنے رکھا تھا۔ اگر یہ بات صرف اس خط تک کہنا چاہتے ہیں جو انکے ہاتھ میں ہے تو اس میں کرشن لال شرما صاحب کا نام نہیں انہوں نے ان کا نام کیوں لیا یہ میں نہیں جانتا "مداخلت"۔

उपसभापति : आपने क्यों लिया है नाम ?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ शीम अफजल : मैं कृष्ण लाल शर्मा जी पर कोई चार्ज नहीं लगा रहा हूं । **(व्यवधान)** मैं उन पर चार्ज नहीं लगा रहा हूं। यह बहुत अहम मसला है । श्री कमल मोरारका की बात पूरे तौर पर सही है और आपने भी तवज्जो दिलाई है । मैं उसका पूरा लिहाज करते हुए इस मामले की सेंसेटिवनेस और अहमियत को आपके सामने उजागर करना चाहता हूं । मैं यह बात कह रहा था कि यह 14 तारीख **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : एक मिनट । मैं खाली यह कहना चाहता हूं कि जिस खत को अफजल साहब पढ़ रहे हैं, उस खत की आथेंटिसिटी को कनफर्म कर लिया जाए उसके बाद इस सिलसिले को उठाया जाए ।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ शीम अफजल : मैं वही कह रहा हूं । मैं कनफर्म भी कर रहा हूं **(व्यवधान)** उसकी हकीकत है **(व्यवधान)** उसकी इजाजत मुझ मिलनी चाहिए । **(व्यवधान)**

†[] Transliteration in Arabic Script.

[उपसभापति]

का नाम नहीं है तो उनका नाम क्यों आया। माथुर साहब ने या किसी ने कहा कि वह कृष्ण लाल शर्मा जी ने ही प्रेस को दिया। इसलिए कृष्ण लाल शर्मा जी ने प्रेस को क्यों दिया यह उनकी चिट्ठी है ? क्या

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल: यह उनकी नहीं है।

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: یہ انکی نہیں ہے۔

उपसभापति: तो फिर किस की है ?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल: यह बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी की चिट्ठी है। (**व्यवधान**)

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: یہ بابری مسجد ایکشن کمیٹی کی چٹھی ہے... مداخلت...

डा० रत्नाकर पाण्डेय: कृष्ण लाल शर्मा ने यह चिट्ठी क्यों दी (**व्यवधान**) **बी०ज०पी०** के लोगों ने क्यों दी (**व्यवधान**)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी की चिट्ठी बी०ज०पी० के दफ्तर से इश्यु हो रहा है (**व्यवधान**) इस चिट्ठी में ऐसी प्रोवेकेटिव भाषा इस्तेमाल की गई है कि वह बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी नहीं लिख सकती है (**व्यवधान**) यह बनाई हुई चिट्ठी है (**व्यवधान**)

डा० रत्नाकर पांडेय: दंगा कराने की साजिश की गई है (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल: मैं हाथ जोड़ कर आपसे अर्ज करता हूं इस मामले की नजाकत को समझते हुए मेरी बात आप सुन लीजिये (**व्यवधान**) मैं कृष्ण लाल शर्मा साहब या भारतीय जनता पार्टी पर कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं (**व्यवधान**)

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں ہاتھ جوڑ کر آپ سے عرض کرتا ہوں۔ اس معاملے کی نزاکت کو سمجھتے ہوئے میری بات آپ سن لیجئے... مداخلت... میں کرشن لال شرما صاحب یا بھارتیہ جنتا پارٹی پر کوئی آروپ نہیں لگا رہا ہوں... مداخلت...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): आरोप का सवाल नहीं है, मसला बड़ा नाजुक है (**व्यवधान**)

श्री कमल मोरारका: मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है।

उपसभापति: माथुर साहब, एक मिनट, प्वाइंट आफ आर्डर है।

SHRI KAMAL MORARKA: What Mr. Afzal is saying I have not seen that letter--is that there is a letter apparently on the letter-head of some Babri Action Committee, signed by Mr. Jilani. And that letter was given to the Press by Mr. K.L. Sharma who happens to be a Member of this House, but in his capacity as an office-bearer of the political party. Now, Madam, in political parties we use it every day to embarrass our opponents. If Mr. Sharma has given a wrong letter.. (*Interruptions*), let Mr. Afzal expose Mr. Sharma. (*Interruptions*).

SHRI S.S. AHLUWALIA: We can not take political advantage in this House. (*Interruptions*)

यह कहते हैं भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष डा० मुरली मनोहर जोशी की एकता यात्रा (**व्यवधान**)

उपसभापति: पत्र मत पढ़िये। (**व्यवधान**)

† [ ] Transliteration in Arabic script.

श्री सिकन्दर बख्त । यह क्या पढ़ रहे हैं (व्यवधान)

شری سکندر بخت : یہ کیا پڑھ رہے ہیں ... مداخلت ...

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : यह...ऐसा है जो इस मुल्क में हिंदू मुसलमान में तनाव पैदा कर सकता है।

THE DEPUTY CHAIRMAN : Just a minute. Let me find out.

SHRI KAMAL MORARKA: Madam, let me finish my point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Please do it fast.

SHRI KAMAL MORARKA : Madam, this is not proper.... (*Interruptions*).

डा० रत्नाकर पाण्डेय : इसमें सिकन्दर बख्त और नकवी साहब का भी नाम लिया गया है । यह बड़ा अहम मसला है । सदन इसको गम्भीरता से ले क्योंकि हमारे सदन के एक बहुत बड़े नेता सिकन्दर बख्त साहब का भी नाम इसमें लिया गया है। (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN : What is your point of order ?

SHRI KAMAL MORARKA : Madam, my point is very simple that.. (*Interruptions*)

उपसभापति : मैं आपको ही कंट्रोल नहीं कर पा रही हूं... (व्यवधान) आप बैठिए । मैंने आपको परमिट नहीं किया है। Don't get up like that.

SHRI KAMAL MORARKA : Madam, my point is very simple. A Special Mention in this House is a facility given to a Member to rise points for the attention of the Government, for action in a matter which the Member deems is of utmost importance. This Special Mention—what Mr. Afzal is saying and what I have heard—is that some political party issued a letter....

THE DEPUTY CHAIRMAN : No, no. You are not understanding that.

SHRI KAMAL MORARKA :.. and a copy of the letter is issued by somebody else, and that letter is not authentic. (*Interruptions*). The House is not a Police station. He can go to a police station. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Let me give my ruling.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Madam, it is very important...

SHRI RAJ MOHAN GANDHI (Uttar Pradesh): He has been given permission... (*Interruptions*)

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : पूरे हिंदुस्तान से ताल्लुक है इसका... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Kamal Morarka, I want to correct one thing. The points of order are not against the Chair, the points of order are to the Chair.

SHRI KAMAL MORARKA: My point of order, Madam, is that the rules are not followed..

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is what I am trying to do...

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Following the rules and regulations, I am making this Special Mention.

SHRI KAMAL MORARKA: The House should not be used to settle political scores (*Interruptions*)

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : ऐसी स्थिति पैदा की जा रही है जिससे... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Yadav, please take your seat.

SHRI KAMAL MORARKA: Why don't they go to the countryside? (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Do you know what is a Special Mention?

SHRI KAMAL MORARKA: I know that this cannot be allowed. If the Chairman knows the contents...

THE DEPUTY CHAIRMAN : Let me read out...

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: Chairman has allowed.

† [ ] Translitaretion in Arabic script.

SHRI KAMAL MORARKA : I know the rules. This cannot be allowed. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN : The Special Mention is 'apprehension of communal violence as a result of a forged letter issued by BJP office in Delhi.' He is only stating that it is a forged letter. He is in his right to say that it is a forged letter. (*Interruptions*)

Now, we have to adjourn the House for lunch. Mr. Afzal, you can make the Special Mention after we meet.

The House is adjourned for lunch for one hour.

The House then adjourned for lunch at thrity-four minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-eight minutes past two of the clock.

[The Vice-Chairman (Dr. Nagen Saikia) in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Mr. Afzal to continue.

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । इस पर उस समय उपसभापति जी, जब पीठासी थीं, उन्होंने भी यह बात कही थी । मेरा व्यवस्था का प्रश्न रूल 238(ए) के तहत है । आप निकाल लें । मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है, जसा इस रूल में कहा है कि :—

Rule 238A—Procedure regarding allegations against Members :

> "No allegation of a defamatory or incriminatory nature shall be made by a Member against any other member or a member of the House unless the member making the allegation has given previous intimation to the Chairman and..."

जैसा कि स्वयं उपसभापति जी ने उस समय यह कहा था, चूंकि मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल जो प्रश्न उठा रहे हैं, उसमें वह एक फोजड् लैटर की बात कर रहे हैं । उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति का नाम लिया है, जो इस सदन के सदस्य हैं, श्री कृष्ण लाल शर्मा । जब वह यह कह रहे हैं कि बी०जे०पी० के आफिस से और श्री कृष्ण लाल शर्मा के द्वारा एक फोर्जड लेटर प्रेस को दिया गया है, तो बहुत अच्छा होगा और इस रूल के तहत सही भी होगा कि वह इसका नोटिस दे दें, स्वयं श्री कृष्ण लाल शर्मा यहां मौजूद हों । उनको अपने पर्सनल एक्सप्लेनेशन में जो बात कहनी है, वह कह दें और कल यह मैटर, बजाये आज के उठायें । यह मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ।

THE VICE CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : It is regarding a forged letter, and this has been granted by the Chairman. So, the Member is only raising the issue before the House.

SHRI KAMAL MORARKA : But he cannot refer to a Member of this House.

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं वही कह रही हूं कि जब उन्होंने स्पेशल मेंशन के लिए परमिशन मांगी... (**व्यवधान**)

SHRI JAGESH DESAI (Maharshtra) : Let him not name anyone.

श्री राम नरेश यादव : नाम है, जनरल सेक्रेटरी... (**व्यवधान**) दिया है तो जनरल सेक्रेटरी आएगा ही... (**व्यवधान**)

श्रीमती सुषमा स्वराज : जब उन्होंने स्पेशल मेंशन का नोटिस दिया तो यही लिखा कि रिलीज आफ ए फोर्ज्ड लटर यह नहीं लिखा कि कृष्ण लाल शर्मा ने रिलीज किया ।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : I would request the hon. Member not to say anything which goes against another Member of the House. Mr. Afzal, I would request you not to speak on the issue which has been raised by Shrimati Sushma Swaraj. You make your point.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* NEEM AFZAL : Sir, I am not referring to anybody.

THE VICE CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : You do not refer to anybody, and conclude.

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra) : Sir, I am on a point of order.

THE VICE CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : What is your point of order ?

SHRI VISHVJIT P. SINGH : There is a small matter which needs to be clarified and which needs your ruling. The

hon. Member has referred to a forged letter, thereby not making any allegation against any other Member. He has referred to a forged letter. Now, another hon. Member belonging to the party concerned turns round and says that this is an allegation. Is it her contention that the letter is not forged ? May be, that is possible.

SHRI KAMAL MORARKA : Sir, he was not present in the House. Here, he has said that a Member of a particular party has released a forged letter. This is the allegation. He should know. Rule 238A is plain English language.

श्रीमती सुषमा स्वराज : यही कह रहे थे।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल : सर, आप मुझे जितना भी कहेंगे, मैं ब्रीफ कर लूंगा, लेकिन इस मामले की नजाकत को आप समझिए । इसमें यह साबित करने की कोशिश की गई है, इस खत के अन्दर कि हिन्दुस्तान का मुसलमान, एकता यात्रा जो हो रही है उसको रोकने के लिए शहीदी दस्ता भेजेगा और बाकायदा इसके सिलसिले में जामा मस्जिद, नई दिल्ली में 20 तारीख को एक मीटिंग होगी, जिसमें सिमरनजीत सिंह मान, वी०पी० सिंह और मुलायम सिंह यादव वगैरह की शिरकत यानी उनकी पूरी ताईद और हिमायत शामिल है । सर, यह ऐसा अहम मसला है जिसमें हिन्दुस्तान के मुसलमानों को बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी और जामा मस्जिद को, तीनों अहम चीजों को शामिल न करके हिन्दु भाइयों पर यह तास्सर देने की कोशिश की गई है कि एकता यात्रा के नाम पर हिन्दुस्तान का मुसलमान फसाद करना चाहता है । सर, मामला भारतीय जनता पार्टी की तरफ से लैटर इश्यू करने का नहीं है । मैंने, जैसा कि अभी हमारे श्री कमल मोरारका जी ने मामला उठाया और सुषमा जी ने भी उठाया, मैं उनसे पूरी जिम्मेदारी के साथ यह बात कहना चाहता हूं मैं उनके ऊपर यह इलजाम नहीं लगा रहा हूं, हो सकता है कि भारतीय जनता पार्टी को किसी ने यह लैटर दिया हो जानबूझ कर एक साजिश के तहत और हमारे सीनियर मेंबर ने, जो भारतीय जनता पार्टी के वाइस प्रेसीडेंट भी हैं, उन्होंने प्रैस को जब दिया, मैं उनके अलफाज भी कहना चाहता हूं । मैं कोई एकदम उनकी नीयत पर शुबहा नहीं कर रहा हूं लेकिन यह आपका काम है और हाउस का काम है इसको तय करना ।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: سر آپ مجھے جتنا بھی کہیں گے۔ بریف کروں گا۔ لیکن اس معاملے کی نزاکت کو آپ سمجھیے۔ اس میں یہ ثابت کرنے کی کوشش کی گئی ہے۔ اس خط کے اندر کہ ہندوستان کا مسلمان ایکتا یاترا جو ہو رہی ہے۔ اسکو روکنے کے لیے شہیدی دستہ بھیجے گا۔ اور باقاعدہ اس کے سلسلہ میں جامع مسجد نئی دہلی میں ۲۰ تاریخ کو ایک میٹنگ ہوگی جس میں سمرن جیت سنگھ مان۔ وی۔ پی۔ سنگھ ملائم سنگھ یادو وغیرہ کی شرکت یعنی انکی پوری تائید اور حمایت شامل ہے۔ سر ایسا اہم مسئلہ ہے جس میں ہندوستان کے مسلمانوں کو بابری مسجد ایکشن کمیٹی اور جامع مسجد تینوں اہم چیزوں کو شامل کر کے ہندو بھائیوں کو یہ تاثر دینے کی کوشش کی گئی ہے۔ کہ ایکتا یاترا کے نام پر ہندوستان کا مسلمان فساد چاہتا ہے۔ سر معاملہ بھارتیہ جنتا پارٹی کی طرف سے لیٹر ایشو کرنے کا نہیں ہے۔ میں نے جیسا کہ ابھی ہماری کمل مورار کا جی نے معاملہ اٹھایا اور سشما جی نے بھی اٹھایا۔ میں ان سے پوری ذمہ داری کے ساتھ یہ بات کہنا چاہتا ہوں کہ میں ان کے اوپر الزام نہیں

†[ ]Transliteration in Arabic script.

لگا رہا ہوں۔ ہو سکتا ہے کہ بھارتیہ جنتا پارٹی کو یہ لیٹر کسی نے دیا ہو جان بوجھ کر ایک سازش کے تحت اور ہمارے سینیر ممبر نے۔ جو بھارتیہ جنتا پارٹی کے وائس پریسیڈنٹ بھی ہیں۔ انہوں نے پریس کو جواب دیا۔ میں ان کے الفاظ بھی کہنا چاہتا ہوں۔ میں کوئی ایکدم نیت پر شبہ نہیں کر رہا ہوں۔ لیکن یہ آپ کا کام ہے اور ہاؤس کا کام ہے اس کو طے کرنا۔

डा० रत्नाकर पाण्डेय : यह प्रेस कांफ्रेंस में थे या नहीं, क्या सूत्र है इनकी सूचना का कि जब वाइस प्रेसीडेंट ने... **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Dr. Pandey, Please do not interrupt him. He is making his point. You are not supposed to interrupt him.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फमीम अफजल : मैं वही बात दोहराने जा रहा हूं । सर, मुझे टेलीफोन आया और एक पत्रकार ने मुझसे कहा कि यह बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी का एक खत यहां पर दिया गया है, आप इसके बारे में कुछ कहेंगे, क्योंकि हम मौलाना बुखारी से और जफरहियात जिलानी जिसके नाम से यह खत लिखा गया, दोनों को कांटेक्ट नहीं कर सके आपके उन दोनों हजरात से ताल्लुकात हैं, क्या आपको इसकी जानकारी है कि 20 तारीख को जामा मस्जिद के अन्दर कोई ऐसी मीटिंग हो रही है । मैंने कहा कि मेरी जानकारी नहीं है, लेकिन मैं पहले खत देखूंगा । मैं सीधा अपने घर से उठ करके उस पत्रकार के दफ्तर गया और मैंने यह खत पहले उनसे हासिल किया और उसके बाद मैंने शाही इमाम सैयद अब्दुल्ला बुखारी साहब को टेलीफोन किया और उनसे पूछा कि 20 तारीख को ऐसी कोई मीटिंग हो रही है । उन्होंने कहा, नहीं, ऐसी कोई मीटिंग नहीं हो रही है । जब मैंने उनको यह खत दिखाया तो उन्होंने कहा, उनका एग्जैक्ट जुमला है मैं वह पढ़कर सुना देता हूं, कि हमारी तरफ से न तो कोई ऐसा खत लिखा गया है और न ही लिखा जाएगा । एकता यात्रा जैसी एक यात्रा पहले भी निकली थी और इसका कोई अच्छा असर नहीं पड़ा था । हमें यह अंदेशा जरूर है कि इस एकता का भी अच्छा अंदेशा असर नहीं पड़ेगा लेकिन उन्होंने कहा कि इसको रोकने का काम या न रोकने का काम सरकार का है, मुसलमानों का नहीं है । उसके बाद मैंने लखनऊ टेलीफोन किया और मि० जफ़र हयात जिलानी से उसके बारे में मालूम किया ।

†[ ]Transliteration in Arabic script.

شری محمد افضل عرف م۔ افضل : میں وہی بات دہرانے جا رہا ہوں۔ سر مجھے ٹیلیفون آیا اور ایک پترکار نے مجھ سے کہا کہ یہ بابری مسجد ایکشن کمیٹی کا ایک خط یہاں پر دیا گیا ہے آپ اس کے بارے میں کچھ کہیں گے۔ کیونکہ ہم مولانا بخاری سے اور ظفریاب جیلانی جس کے نام سے یہ خط لکھا گیا۔ دونوں کو کانٹیک نہیں کر سکے۔ آپ کے ان دونوں حضرات سے تعلقات ہیں۔ کیا آپ کو اس کی جانکاری ہے کہ ۲۰ تاریخ کو جامع مسجد کے اندر کوئی ایسی میٹنگ ہو رہی ہے۔ میں نے کہا کہ میری جانکاری میں نہیں ہے۔ لیکن میں پہلے خط دیکھوں گا۔ میں سیدھا اٹھ کر اپنے گھر

†[ ]Transliteration in Arabic script.

سے اس پترکار کے دفتر گیا اور میں نے یہ خط پہلے ان سے حاصل کیا اور اس کے بعد میں نے شاہی امام سید عبداللہ بخاری صاحب کو ٹیلیفون کیا اور ان سے پوچھا کہ ۲۰ تاریخ کو ایسی کوئی میٹنگ ہو رہی ہے۔ انہوں نے کہا نہیں ایسی کوئی میٹنگ نہیں ہو رہی ہے۔ جب میں نے ان کو یہ خط دکھایا تو انہوں نے کہا۔ ان کا ایگزیکٹ جملہ ہے۔ میں وہ پڑھ کر سنا دیتا ہوں کہ ہماری طرف سے نہ تو کوئی ایسا خط لکھا گیا ہے اور نہ ہی لکھا جائے گا۔ ایکتا یاترا جیسی ایک یاترا پہلے بھی نکلی تھی اس کا کوئی اچھا اثر نہیں پڑا تھا۔ ہمیں یہ اندیشہ ضرور ہے کہ اس ایکتا یاترا کا بھی اچھا اثر نہیں پڑے گا۔ لیکن انھوں نے کہا کہ اس کو روکنے کا کام یا نہ روکنے کا کام سرکار کا ہے مسلمانوں کا نہیں ہے۔ اس کے بعد میں نے لکھنؤ ٹیلیفون کیا اور مسٹر ظفریاب جیلانی سے اس کے بارے میں معلوم کیا۔

نہیں ہو سکتا تھا ۔ غالباً اسلئے یہ ڈیناٹیل نہیں ہو سکا۔ سر امپورٹنٹ بات یہ ہے کہ جب یہ خط دیا گیا، تو ذمہ دار پترکاروں سے بھی میری یہ درخواست ہے کہ ان کی طرف سے بھی اتھینٹیسٹی چیک کرنا چاہئے تھی، جیسا کہ "امر اجالا" کے ایک کارسپونڈنٹ نے چک کی اور ان کو اپنے اخبار میں دیا۔ لیکن "ہندوستان ٹائمس" میں یہ خبر چھپی اور "راجستھان پتریکا" کے اندر یہ خبر فرنٹ پیج پر جوں-کی-توں دی گئی تھی کہ ایسا ایک لیٹر بابری مسجد ایکشن کمیٹی کی طرف سے دیا گیا تھا۔ سر، میرا نیویدن یہ ہے کہ اگر یہ لیٹر جوں-کا-توں چھاپ دیا جائے تو کیا اس سے کوئی انکار کریگا کہ یہ خط سیدھا تاثر دیتا ہے کہ ہندوستان کا مسلمان فسادی ہے اور وہ شہادی دستوں کی ذریعے سے ہندوستان کے ہندوؤں کی طرف سے کی جانیوالی یا بھارتیہ جنتا پارٹی کی طرف سے کی جانیوالی ایکتا یاترا کو روکنے کی ایک سازش ہے۔ سر، اگر یہ امپریشن جاتا ہے تو ایک مسلمان اور ایک ذمہ دار ممبر آف پارلیامنٹ کی حیثیت سے یہ میرا فرض بن جاتا ہے کہ میں اس غلط فہمی کو دور کروں کہ ایسا کوئی لیٹر نہ تو لکھا گیا ہے اور نہ ہی میں سمجھتا ہوں کہ بابری مسجد ایکشن کمیٹی کی طرف سے، جیسا کہ انہوں نے خود کہا ہے، لکھے جانے کا کوئی ارادہ ہے۔ یہ کام سرکار کا ہے اور سرکار کو ہی دیکھنا چاہئے۔

سر، ایک بات میں آخیر میں جو کہنا چاہتا ہوں، وہ یہ ہے کہ اگر آپ اس کے جملوں پر جائیں اور میں اس بات کو اسلئے بتانا چاہتا ہوں... (**व्यवधान**) ...

انہوں نے مجھ سے کہا کہ ایسا کوئی خط نہیں لکھا ہے۔ یہی نہیں میں نے ان کو یہ بھی کہا کہ وہ یو۔ این۔ آئی کو ایک ڈیناٹیل

उन्होंने मुझसे यह कहा कि उन्होंने ऐसा कोई खत नहीं लिखा है। यही नहीं, मैंने उनको यह भी कहा कि वह यू०एन०आई० को एक डिनायल दे दें, लेकिन टैक्निकल बात यह है कि चूंकि जिलानी के पास यह लेटर नहीं था, इसलिए यू०पी० के अंदर इसका डिनायल

†[ ]Transliteration in Arabic script.

کروں کہ ایسا کوئی لیٹر نہ تو لکھا گیا ہے اور نہ ہی میں سمجھتا ہوں کہ بابری مسجد ایکشن کمیٹی کی طرف سے۔ جیسا کہ انہوں نے خود کہا ہے۔ لکھے جانے کا کوئی ارادہ ہے۔ یہ کام سرکار کا ہے اور سرکار کو ہی دیکھنا چاہیے

سر ایک بات میں آخر میں جو کہنا چاہتا ہوں وہ یہ کہ اگر آپ اس کے حصوں پر جائیں تو اور میں اس بات کو اس لیے بتانا چاہتا ہوں۔ ..."مداخلت"...

श्री कमल मोरारका : आप मुसलमानों का बहुत नुकसान कर चुके हैं और मत करिए।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: कमल मोरारका जी, मुझे आपके इस मशविरे की जरूरत नहीं है। आप मुसलमानों का कितना फायदा कर चुके हैं यह भी मुझे बताने की जरूरत नहीं है। जब आप वजीर बने थे, उसके बाद मुसद्दल 15 दिन तक इस मुल्क में खून की होली खेली जाती रही, याद करिए वह दिन। आपकी वजह से फसादात हुए हैं और आज आप मुझको कह रहे हैं।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: کمل مورارکا جی مجھے آپ کے اس مشورے کی ضرورت نہیں ہے۔ آپ مسلمانوں کا کتنا فائدہ کر چکے ہیں۔ یہ بھی مجھے بتانے کی ضرورت نہیں ہے جب آپ وزیر بنے تھے اس کے بعد سے مسلسل ۱۵ دن تک اس ملک میں خون کی ہولی کھیلی جاتی رہی۔ یاد کریے وہ دن۔ آپ کی وجہ سے فسادات ہوئے ہیں اور آج آپ مجھ کو کہہ رہے ہیں۔

دیدیں۔ لیکن ٹیکنیکل بات یہ ہے کہ چونکہ جیلانی صاحب کے پاس یہ لیٹر نہیں تھا۔ اس لیے بی۔ پی۔ کے اندر اس کا ڈسائیل نہیں ہو سکتا تھا۔ غالباً اس لیے یہ ڈیٹیل نہیں آسکا۔ سر امپورٹنٹ بات یہ ہے کہ جب یہ خط دیا گیا تو ذمہ داروں پترکاروں سے بھی میری یہ درخواست ہے کہ انکی طرف سے بھی آتھینٹی سٹی چیک کرنا چاہیے تھی۔ جیسا کہ "امر اجالا" کے ایک کارسپونڈنٹ نے چیک کی اور ان کو اپنے اخبار میں دیا لیکن "ہندوستان ٹائمز" میں یہ خبر چھپی اور "راجستھان پترکا" کے اندر یہ خبر فرنٹ پیج پر جیوں کی تیوں دی گئی تھی کہ ایسا ایک لیٹر بابری مسجد ایکشن کمیٹی کی طرف سے دیا گیا تھا۔ سر۔ میرا نویدن یہ ہے کہ اگر یہ لیٹر جیوں کا تیوں چھاپ دیا جائے۔ تو کیا اس سے کوئی انکار کریگا کہ یہ خط سیدھا تاثر دیتا ہے کہ ہندوستان کا مسلمان فسادی ہے۔ اور وہ شہیدی دستوں کے ذریعہ ہندوستان کے ہندوؤں کی طرف سے یا بھارتیہ جنتا پارٹی کی طرف کی جانے والی ایکتا یاترا کو روکنے کی ایک سازش ہے۔ سر۔ اگر یہ امپریشن آجاتا ہے تو ایک مسلمان اور ایک ذمہ دار ممبر آف پارلیمنٹ کی حیثیت سے یہ میرا فرض بن جاتا ہے کہ میں اس غلط فہمی کو دور

†[] Transliteration in Arabic Script.

THE VICE CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Mr. Afzal, if you have anything to say, please tell me and not the Members..... (*Interruptions*).... You have already made your points. Please conclude.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : सर, मैं यह जानना चाहता हूं कि अगर भारतीय जनता पार्टी के दफ्तर से इश्यू किया गया है यह लेटर और एक अखबार ने लिखा भी है, उसकी कॉपी मेरे पास है, सर जब उनसे पूछा गया कि आपको यह खत कहां से मिला... (व्यवधान)

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: سر میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ اگر بھارتیہ جنتا پارٹی کے دفتر سے ایشو کیا گیا ہے یہ لیٹر اور ایک اخبار نے لکھا بھی ہے کہ اس کی کاپی میرے پاس ہے۔ سر جب ان سے پوچھا گیا کہ آپ کو یہ خط کہاں سے ملا... "مداخلت"...

SHRI KAMAL MORARKA : Sir, I strongly object to that. The author of the letter, after *The Hindustan Times* prints it, has still not issued a dential, and this House is being used to propagate the Babri Masjid Action Committee and the BJP. We are not guinea pigs here. Let them fight their battles on the streets—they need not bring them to the House.... (*Interruptions*)....

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : We are going to give our clarification. I am a member of that community... (*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Okay, you have made your point. Please conclude now.... (*Interruptions*)...

SHRI KAMAL MORARKA : Mr. Gilani has not denied it... (*Interruptions*)...

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : He has denied it. ...(*Intrsnptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Mr. Afzal, please... (*Interruptions*)...

No, no personal argument will go on record....(*Interruptions*)...It is not going on record.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M.M. JACOB): Sir, kindly request the honourable Members not to indulge in acrimonious exchanges here. Let them address you, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Yes, honourable Members...(*Interruptions*)....I have asked you many times...:.(*Interruptions*)....Mr. Afzal, I am on my legs. I have already requested honourable Members, if you have anything to say, please address me but don't enter into agrument with another Member. Mr. Afzal, you have already made your point....(*Interruptions*)... Next speaker, Shri Ram Naresh Yadav.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मेरा कहना सिर्फ यह है कि भारतीय जनता पार्टी के जिस जिम्मेदार मेंबर ने इस खत को इश्यू किया है, मैं उनसे इस हाउस के माध्यम से दरख्वास्त करूंगा कि अगर वह कनविंस हैं कि यह खत झूठा है तो उन्हें इसके ऊपर अपनी माफरत या माफी अखबारों को देनी चाहिए और अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो यह अंदेशा हो सकता है कि भारतीय जनता पार्टी ने तो कहीं यह लेटर फोर्ज्ड नहीं किया है ?

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میرا کہنا صرف یہ ہے کہ بھارتیہ جنتا پارٹی کے جس ذمہ دار ممبر نے اس خط کو ایشو کیا ہے۔ میں ان سے اس ہاؤس کے مارفیم سے درخواست کروں گا کہ اگر وہ کنونس ہیں کہ یہ خط جھوٹا ہے تو انھیں اس کے اوپر اپنی معافی اخباروں کی معرفت دینی چاہیے اگر وہ ایسا نہیں کرتے ہیں تو یہ اندیشہ ہو سکتا ہے کہ بی۔ جے۔ پی نے تو کہیں لیٹر فورجڈ نہیں کیا ہے۔

†[] Transliteration in Arabic Script.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : *

THE VICE- CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : No, nothing is going on record. Dr. Pandey's speech is not going on record. ...(*Interruptions*) ... I am not permitting you. Nothing is going on record. ...(*Interruptions*) ... It is not going on record. This is not the way to speak in the House, by interrupting every moment. It is not good.

Reported threat by the Armed activities of J.K.L.F. to infiltrate into India

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं सदन का और सरकार का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के हजारों कार्यकर्ता विभिन्न प्रकार के आयुधों से लैस होकर भारत की जो वास्तविक नियंत्रण रेखा है उसे पार करना चाहते हैं, जिसके लिए उन्होंने एक तारीख भी निश्चित कर दी है। अभी पिछले दिनों इसी सदन में, गत सप्ताह पाकिस्तान द्वारा कश्मीर ने वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार कर एक बहुत विशाल-शक्तिशाली रेडियो स्टेशन जो लगाया था और उसके जरिए भारत के खिलाफ अनर्गल और गलत तरीके से प्रचार करने की साजिश की थी, जो एक बहुत गंभीर तरीके का देश के लिए चिंता का विषय बना था, चिंता व्यक्त की थी। उसके बाद, महोदय, मिलटरी ने, जो सीमा पर, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास से लगाई गई है, उसमें एक अभियान जारी किया, उसके आधार पर...

"During the recent 'Operation Mouse Trap' the army seized 50,000 rounds of AK 56 ammunition sealed in boxes in village Nurkhawah in Uri District. Similar ammunition interceptions have increased."

महोदय, एक तरफ तो यह स्थिति हो रही है और दूसरी तरफ यह इस तरह से जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के हजारों कार्यकर्ता वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार करने की धमकी दे चुके हैं। उन लोगों को पाकिस्तान में ट्रेनिंग मिल रही है, विभिन्न प्रकार के हथियार उनके पास हैं। कश्मीर ने तो अपने भाग्य का फैसला भारत के साथ रहने का बहुत पहले किया था और आज कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग बन गया है। ऐसी स्थिति में यह लिबरेशन फ्रंट के लोग भारत की सीमा में आकर उस कश्मीर को स्वतंत्र देश बनाने की मांग कर रहे हैं बराबर, जो इस देश के लिए चिंता का विषय बना हुआ है और हमारी राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए खतरा बना हुआ है। ऐसी स्थिति में मेरा कहना है कि जब एक तरफ तो भारतीय जनता पार्टी, जो एकता रली के नाम पर विखण्डन यात्रा शुरू कर रही है और कश्मीर पहुंच रही है 26 तारीख को झंडा फहराने की बात कर रहे हैं, देश में तनाव की स्थिति पैदा हो रही है और आर्टिकल 370 को हटाने की मांग कर रहे हैं और दूसरी तरफ उसी के साथ ही साथ 11 फरवरी को जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के हजारों कार्यकर्ता जब इस तरह से हथियारों से लैस होकर के आएंगे तो कश्मीर की स्थिति तो विचित्र हो जाएगी और वहां के लोगों के लिए खतरनाक स्थिति होगी। इसलिए महोदय, आपके माध्यम से मेरी सरकार से मांग है कि समय रहते सरकार चेते और चेते ही नहीं, ऐसा कदम उठाए ताकि यह जो पाकिस्तान की जो घृणित साजिश है जम्मू-कश्मीर के साथ, भारत के साथ, उस पर ध्यान दे और अपना प्रतिरोध व्यक्त करे। हम तो चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान, जो हमारा पड़ौसी देश है एक साथ मिलजुलकर रहें, मधुर संबंध स्थापित हों, लेकिन ऐसे समय में पाकिस्तान का रवैया बहुत ही हमारे राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध है, हमारी एकता-अखण्डता के खिलाफ है। कश्मीर जो भारत का अविभाज्य अंग बन गया है, उसको तोड़ने की साजिश की जा रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए सरकार को इसे बहुत गंभीरता से लेकर वहां पर ऐसी स्थिति बनानी चाहिए ताकि एक भी कार्यकर्ता उन आयुधों से लैस होकर भारत की पावन धरती पर न आ सके, जिस पावन धरती पर कश्मीर ने अपना विलय किया था।

*Not recorded.